an>

Title: Need to hold general elections to Lok Sabha, State Legislative Assemblies, Panchayati Raj Institutions and Municipal Corporations simultaneously.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर) ः चुनाव सुधार वर्षों से मुद्दा रहा है लेकिन वर्तमान समय में प्रायः 6-6 महीने के अंतराल के साथ चुनाव होते हैं और आदर्श आचार संहिता लगती रहती है तो चुनी हुई सरकारों को कार्य संपादित करने में और जनता की इच्छा के अनुरूप परिणाम देने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रदेशों में कोई न कोई चुनाव होता ही रहता है। ऐसी स्थिति में चुनाव सुधार के लिए जो विभिन्न आयोग बने और उन्होंने जो सिफारिशें की उनके अनुसार लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव पूरे देश में कम से कम एक साथ होने चाहिए। इसके अतिरिक्त, मेरी कानून मंत्री से यह भी मांग है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ-साथ यदि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव, नगर-निकायों के चुनाव, सहकारी संस्थाओं के चुनाव भी एक साथ करा लिये जाये तो इससे एक ओर सभी संस्थाओं में एक साथ चुनाव होने से समय व धन की बर्बादी रूक सकती है और बार-बार आदर्श आचार संहिता के कारण जो जनता को परेशानी होती है, उससे निज़ात मिल सकती है। जहां तक एक साथ चुनाव में सुरक्षा प्रबंध के लिए पुलिस बल एवं अर्द्धसैनिक बल की आवश्यकता है उसके लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लेकर सुधार किया जा सकता है। सरकार के इस कदम से एक ओर चुनाव सुधार की प्रक्रिया में एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा दूसरी ओर जनता को हो रही कठिनाइयों में कमी आयेगी।